युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया United Bank of India
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
आपका बैंक The Bank that begins with U
www.unitedbankofindia.com

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2016-2017

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
प्रधान कार्यालय
युनाइटेड टावर, 11 हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता – 700 001
www.unitedbankofindia.com

United Bank of India
Head Office
United Tower, 11, Hemanta Basu Sarani, Kolkata - 700 001
www.unitedbankofindia.com

विषय सूची

- निदेशक मंडल 2
- मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं महाप्रबंधकगण 3
- बैंक का संक्षिप्त इतिहास और संकल्प 5
- कार्य-निष्पादन की एक झलक 6
- शेयरधारकों को संदेश 8-9
- निदेशकों की रिपोर्ट एवं प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण 10-31
- कंपनी अभिशासन रिपोर्ट 32-43
- आचार-संहिता की घोषणा 44
- सीईओ-सीएफओ का प्रमाणपत्र 45
- कंपनी अभिशासन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र 46
- व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट 47-55
- स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 56-58
- 31 मार्च, 2017 का तुलन-पत्र 59-60
- अनुसूची-1 से अनुसूची 12 61-68
- 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा 69
- अनुसूची-13 से अनुसूची 18 70-98
- 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का नकदी प्रवाह विवरण 99-100
- बासेल-III शर्तों के अंतर्गत स्तंभ-3 का प्रकटीकरण 101-136

CONTENTS

- Brief History & Vision Statement of the Bank 1
- Performance at a Glance 2-3
- Message to Shareholders 4-6
- Director's Report & Management Discussion and Analysis 7-32
- Corporate Governance Report 33-45
- Code of Conduct Declaration 46
- CEO-CFO Certificate 47
- Auditors' Certificate on Corporate Governance 48
- Business Responsibility Report 49-60
- Independent Auditors' Report 61-63
- Balance Sheet as on 31st March 2017 64-65
- Schedule 1 - Schedule 12 66-72
- Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2017 73
- Schedule 13 - Schedule 18 74-109
- Cash Flow Statement for the year ended 31st March 2017 110-111
- Pillar - 3 Disclosure under Basel-III Norms 112-153

निदेशक मंडल / BOARD OF DIRECTORS

श्री पवन बजाज
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Sri Pawan Bajaj
Managing Director & CEO

श्री के.वी रामामूर्ती
कार्यपालक निदेशक
Sri K V Rama Moorthy
Executive Director

श्री अशोक कुमार प्रधान
कार्यपालक निदेशक
Sri Ashok Kumar Pradhan
Executive Director

श्री ए.के.डोगरा
भारत सरकार द्वारा नामित
Sri A K Dogra
Nominee-Govt. of India

श्री अर्णब राय
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित
Sri Arnab Roy
Nominee Reserve Bank of India

श्री एस.सूर्यनारायण
शेयरधारक निदेशक
Sri S Suryanarayana
Shareholder Director

मुख्य सतर्कता अधिकारी / CHIEF VIGILANCE OFFICER

श्री अरूण कुमार वर्मा
Sri Arun Kumar Verma

महाप्रबंधकगण / GENERAL MANAGERS

श्री देवाशीष मुखर्जी
Sri Debashish Mukherjee

श्री नरेश कुमार कपूर
Sri Naresh Kumar Kapoor

श्री विकास सीताराम खुटवाड़
Sri Vikas Sitaram Khutwad

श्री संजय कुमार
Sri Sanjay Kumar

श्री मानस धर
Sri Manash Dhar

मो. आब्दुल वाहिद
Md. Abdul Wahid

श्री उमेश कुमार राय
Sri Umesh Kumar Roy

श्रीमती सुनंदा बसु
Smt. Sunanda Basu

श्री कुंतिल्ला बालाराजु
Sri Kuntilla Balaraju

श्री विनय गंदोत्रा
Sri Vinay Gandotra

श्री गौरी प्रसाद शर्मा
Sri Gauri Prosad Sarma

श्री अलहरि शेषुबाबु
Sri Alahari Seshubabu

कंपनी सचिव, अनुपालन अधिकारी एवं
निदेशक मंडल के सचिव
विक्रमजीत सोम

रजिस्ट्रार एंड शेयर ट्रांसफर एजेंट :
सी-101, 247 पार्क
एलबीएस मार्ग
विखरोली (पश्चिम)
मुंबई – 400083

सांविधिक केन्द्रीय लेखा परीक्षकगण:
मेसर्स नंदी एंड एशोसिएट्स
मेसर्स अरूण के. अग्रवाल एंड एशोसिएट्स
मेसर्स मुखर्जी, बिस्वास एंड पाठक

पंजीकृत कार्यालय का पता:
युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
युनाइटेड टॉवर
11, हेमंत वसु सरणी कोलकाता – 700001

वेबसाइट:
www.unitedbankofindia.com

ई-मेल:
investors@unitedbank.co.in

बैंक का संक्षिप्त इतिहास

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का एक समृद्ध इतिहास है – एक छोटा सा बैंक, कोमिल्ला बैंकिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, (1914 में स्थापित किया गया था) जिसका तीन अन्य बैंको के साथ विलयन हुआ था अर्थात, कोमिल्ला यूनियन बैंक लिमिटेड (1922 में स्थापित), हुगली बैंक लिमिटेड(1932 में स्थापित) और बंगाल सेंट्रल बैंक लिमिटेड (1918 में स्थापित) जो 18 जुलाई 1950 को युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में परिणत हुआ । बैंक का मुख्यालय 4, क्लाइव घाट स्ट्रीट, (वर्तमान में एन.सी.दत्त सरणी), कोलकाता-700 001 में था, जोकि बाद में 11, हेमंत बसु सरणी, कोलकाता- 700 001 के वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित हो गया । 19 जुलाई, 1969 को 13 अन्य बैंकों के साथ इस बैंक का भी राष्ट्रीयकरण हुआ । बाद में कटक बैंक लिमिटेड, तेजपुर औद्योगिक बैंक लिमिटेड, हिन्दुस्तान मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड और नारंग बैंक ऑफ़ इंडिया लिमिटेड को इस बैंक के साथ विलय कर दिया गया ।

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की ताकत क्रमशः बढ़ती गई । राष्ट्रीयकरण के समय, 1969 में 174 शाखाओं का नेटवर्क और 259 करोड़ रुपये से व्यवसाय की शुरूआत करके, बैंक का अब 2053 शाखाओं / कार्यालयों के साथ कुल व्यवसाय रु.1.97 लाख करोड़ से अधिक का है । पूर्वी पाकिस्तान में परिचालित शाखाओं को, 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के परिणाम स्वरूप उन्हें बंद कर दिया गया। बैंक ने 2010 में ढाका, बांग्लादेश और बाद में यांगून, म्यामार में प्रतिनिधि कार्यालय स्थापित करके अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार किया है । बैंक का अंतरराष्ट्रीय परिचालन, वैदेशिक बैंकों के साथ पारस्परिक संबंध के माध्यम से जुड़ा है ।

युनाइटेड संकल्प

हमारा संकल्प व्यावसायिकता, विश्वास एवं पारदर्शिता के वातावरण में, समष्टि अभिशासन और सामाजिक उत्तरदायित्वों के उच्चतम मानकों को अपनाकर, समस्त स्वत्वाधारियों की अपेक्षाओं और अपने कर्मचारियों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और जोखिम प्रबंधन पर समुचित बल देते हुए, हमारे देश के एक, व्यवसाय वृद्धि एवं लाभप्रदता पर केंद्रीभूत, गतिशील, प्रौद्योगिकी उन्नत, ग्राहक हितैषी, प्रगामी, आर्थिक रूप में सुदृढ़, अखिल भारतीय बैंक के रूप में उभरना है।

सारतः, सर्वोत्कृष्टता की प्राप्ति ही, हमारे बैंक का आंतरिक दर्शन और प्रेरणा स्रोत होगा।

कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- 31.03.2017 तक बैंक का कुल व्यवसाय बढ़कर रु. 197442 करोड़ हुआ ।
- कुल जमा राशि में रु. 10538 करोड़ तक वृद्धि हुई ।
- 31 मार्च, 2017 तक कासा की हिस्सेदारी बढ़कर 47.33% हुई ।
- 2017 की चौथी तिमाही के लिए परिचालन लाभ रु. 116 करोड़ और वित्त वर्ष 2016-17 के लिए यह रु. 1552.89 करोड़ हुआ ।
- 2017 की चौथी तिमाही के लिए शुद्ध लाभ रु.74 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए रु. 219.51 करोड़ हुआ
- 2017 की चौथी तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) रु. 501.94 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए रु. 1927.73 करोड़ हुई ।
- 31.03.2017 तक सकल एनपीए रु. 10952 करोड़ हुआ ।
- वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए एनआईएम 1.60% रहा ।
- 31 मार्च, 2017 तक टियर-I 7.69% के साथ सीआरएआर (बासेल-III) 11.14% हुआ ।

कार्यनिष्पादन की एक झलक

राशि करोड़ रु में

मानदंड	2014-15	2015-16	2016-17
शाखाओं की संख्या	2004	2011	2053
पूंजी	839.52	1319.52	1812
इक्विटी	839.52	839.52	1394
पीएनसीपीएस	0	0	0
शेयर आवेदन राशि (लंबित आवंटन)	0	480	418
रिजर्व और अधिशेष	4988.52	4999.67	5931.46
पूंजी पर्याप्तता			
बासेल II	11.42%	10.46%	11.68%
बासेल III	10.57%	10.08%	11.14%
सकल लाभ	2427.94	1811.80	1552.89
शुद्ध लाभ	255.99	-281.95	219.51
कुल जमा	108818	116401	126939
प्रतिशत में वृद्धि	-2.41%	6.97%	9.05%
सकल अग्रिम	69070	71412	70503
प्रतिशत में वृद्धि	1.60%	3.39%	-1.27%
कुल व्यवसाय	177888	187813	197442
प्रतिशत में वृद्धि	-0.89%	5.58%	5.13%
निवेश	46798	44934	53355
प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र को अग्रिम	28561	29809	30623
शुद्ध ऋण / एएनबीसी का प्रतिशत	40.48%	41.16%	40.71%
कुल स्टाफ	15192	14981	14962
प्रति कर्मचारी व्यवसाय	11.51	12.37	13.04

शेयरधारकों को संदेश

प्रिय शेयरधारकों,

अपने बैंक की 2016-17 की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कई चुनौतियों के बावजूद आपका बैंक मुनाफा करने में सफल रहा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था कई दुविधाओं से ग्रस्त रही । इनमें यूरोपियन यूनियन से ब्रिटेन का निकल जाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रपति बनना और वहाँ की वित्तीय और मौद्रिक नीतियों में बदलाव लाना और भारत में विमुद्रीकरण शामिल है। फिर भी वैश्विक अर्थव्यवस्था विभिन्न आर्थिक एवं राजनीतिक दबावों के बावजूद स्थिर रही। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने उम्मीद जतायी कि वैश्विक आर्थिक विकास जो 2016 में 3.1% था वह 2017 में बढ़कर 3.5% और 2018 में 3.6% होगा। इस अवधि में विकसित अर्थव्यवस्था में विकास की सम्भावना 1.7% से 2.0% के बीच जतायी गई और उम्मीद की गई कि उभरते बाजार में 4.1% से 4.8% के बीच वृद्धि होगी। 2017-18 में विकास के दो वाहक चीन और भारत में विकास की दर क्रमशः 6.7% और 6.8% होने की उम्मीद जतायी गई। 2018-19 में चीन की विकास दर उम्मीद से कम रहकर 6.2% होने और भारत की विकास दर बढ़कर 7.7% होने की संभावना व्यक्त की गई है। अगले एक वर्ष में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति दोगुनी होने की आशंका है। डॉलर मजबूत स्थिति में था और अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज की दर को बढ़ाया। अमेरिका में हुई इन गतिविधियों के कारण उसकी आंतरिक नीतियों में बदलाव और चीन की अस्थिरता में संभावित वृद्धि के कारण भारतीय बाजार दबाव में आ सकता है।

विमुद्रीकरण भारतीय अर्थव्यवस्था केन्द्रबिन्दु रहा । देश की 86% वैध मुद्रा अवैध घोषित हो गई। संतुलन के नए स्तर की तलाश में थोड़ा वक्त लगेगा । विमुद्रीकरण ने शुरू में सबको अस्थिर कर दिया लेकिन भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई तत्काल कार्रवाइयों के फलस्वरूप जल्दी ही स्थिति सामान्य हो गई। इसी के साथ डिजिटल लेन-देन का युग शुरू हुआ। संविधान में एक संशोधन ने चिर-प्रतीक्षित वस्तु एवं सेवा कर का रास्ता साफ कर दिया। 'इन्सोलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड' के लागू होने से बैंकों के हाथ में अनर्जक आस्तियों के संत्रास से लड़ने के लिए कुछ प्रभावी अस्त्र आ गए हैं।

कुछ वर्षों से बैंकों की अनर्जक आस्तियाँ ही उस बैंक विशेष का भाग्य लिख रही हैं। अनर्जक आस्तियों के बहुआयामी कुप्रभाव ने बैंकों की आय का रास्ता जाम कर दिया है, ऋण पोर्टफोलियों के क्षेत्र में वृद्धि मंद पड़ गई है, मुनाफा कम होता जा रहा है, निधियों के पुनर्निवेश की प्रक्रिया अस्त-व्यस्त हो गई है और इसके के कारण संपूर्ण आर्थिक चक्र ही अवरुद्ध हो गया है। विमुद्रीकरण के फलस्वरूप नकदी प्रवाह अपर्याप्त रहा और कॉरपोरेट क्षेत्रों को इस बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। माँग में कमी आने और विभिन्न परियोजनाओं के ठप्प पड़ जाने से उधारकर्ता के लिए ऋण चुकाना मुश्किल हो गया। इसके फलस्वरूप ऋण प्रदायगी में कोई सुधार नहीं हुआ और ऋण प्रदायगी में बैंकों की विशाल क्षमता का कोई उपयोग नहीं हो सका। इसके परिणामस्वरूप, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अनर्जक आस्तियाँ या अशोध्य ऋण का स्तर एक अभूतपूर्व ऊँचाई पर पहुँच गया। पस्तहाल ऋण क्षेत्र का विकास, आस्ति गुणवत्ता के मुद्दे, विस्थापन के फलस्वरूप बढ़ते प्रावधान की जरूरत इत्यादि के कारण अन्य बैंकों के साथ-साथ आपके बैंक का मुनाफा भी बहुत प्रभावित हुआ है।

इस वर्ष आपके बैंक का ध्यान ऋण प्रदान – खासकर एम एस एम ई क्षेत्र में ऋण प्रदान करने, अनर्जक आस्तियों (एन पी ए) को कम करने और लागत को विवेकसम्मत करने पर रहा। खुदरा ऋण 12612 करोड़ रूपए से बढ़कर 13221 करोड़ रूपए हो गया। यह विकास आवास ऋण के क्षेत्र में 19.18% की उत्साहजनक वृद्धि के कारण हुआ। एम एस एम ई ऋण 10682 करोड़ रूपए से बढ़कर 11404 करोड़ रूपए हुआ। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए आपका बैंक आवास ऋण और खुदरा ऋण के अन्य क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना जारी रखेगा। आपका बैंक अखिल भारतीय स्तर पर व्यवसाय जुटाने के लिए संभाव्य एम एस एम ई केन्द्रों की पहचान करेगा। यह बड़े कॉरपोरेट ऋणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भरपूर प्रयास करेगा क्योंकि ये जोखिम भरे, पूँजी-खपाऊ और प्रतिफल विहीन साबित हुए हैं। सकल अनर्जक आस्तियों के अनुपात में बढ़ोत्तरी का कारण ऋण प्रदाय में कमी और औसत कमी रही जो पिछले वर्ष भी थी। आपके बैंक ने 2017-18 में सकल अनर्जक आस्तियों को घटाकर मौजूदा स्तर से 10% तक करने का महत्त लक्ष्य रखा है जो वसूली और खातों के उन्नयन के जरिए होगा, जिसमें से एक बड़ा भाग बट्टा खातों से होगा। आशा है कि मार्च 2018 में अनर्जक आस्तियों (एन पी ए) में यह कमी और 75000/- हजार करोड़ रूपए के लगभग ऋण पोर्टफोलियों का लक्ष्य हमारे सकल अनर्जक आस्तियों को कम करके थोड़ा और स्वीकार्य स्तर तक ला सकेगा। खर्च में किफायत बरतने के लिए बैंक ने जो कदम उठाए, इसके कारण 2015-16 में जो परिचालनगत खर्च 2973 करोड़ रूपए था वह 2016-17 में 2561 करोड़ रूपए रहा।

बैंक को पूंजी के क्षेत्र में अपने प्रमोटरों जैसे, भारत सरकार से अपार समर्थन प्राप्त हुआ है । वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक को केंद्र सरकार से रू.1026 करोड़ की पूंजी सहायता दो खेपों में मिली । बैंक स्वयं ही अपनी पहली क्यूआईपी जारी कर 127.49 करोड़ रुपये जुटा सकता है । बैंक ने अपने टियर -1 पूंजी में वृद्धि हेतु अतिरिक्त टियर-1 या एटी बॉन्ड के जरिए 200 करोड़ रूपए जुटाए । इनके साथ, बैंक के पास फिलहाल पर्याप्त पूंजी है, हालांकि चालु वर्ष के दौरान बाजार से और अधिक पूंजी जुटाने के लिए बैंक अपने अवसरों की तलाश जारी रखेगा । मार्च 2019 तक पूंजी के मामले में आत्मनिर्भर होना ही बैंक का अंतिम उद्देश्य है जब बासेल–III मानदंड पूरी तरह से लागू हो जाएंगे।

केंद्र सरकार द्वारा पूंजी दिए जाने के परिणामस्वरूप, आपका बैंक भारत सरकार के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। बैंक प्रबंधन और उसके कर्मचारी वित्तीय वर्ष 2018 और उसके बाद प्रारंभ से ही इस बैंक को मुनाफे में लाने के लिए एक समयबद्ध योजना बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस योजना में अन्य बातों के साथ –साथ अनर्जक आस्ति प्रबंधन, ऋण प्रदायगी में वृद्धि, बाजार से पूंजी जुटाना, लागत में कमी लाना जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल हैं जिनकी निगरानी तिमाही आधार पर होगी।

2016-17 में आपके बैंक का निष्पादन इस प्रकार रहा :

- बैंक ने पिछले वर्ष की हानि (रू. 281.95 करोड़) से उबर कर रू. 219.51 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।
- बैंक का कुल व्यवसाय रू. 197442 करोड़ हुआ जिसमें रू.126939 करोड़ की जमाराशि एवं रू. 70503 करोड़ की ऋण राशि शामिल है ।
- कुल जमा राशि में कासा का अंश 47.33% रहा, जो उद्योग जगत में सबसे अधिक है।
- आस्तियों पर आय 0.21% और इक्विटी पर आय 4.38% हुई जो पिछले वर्ष क्रमशः - 0.22% एवं -6.01% थी ।